# जादुई भगोना

हेरिएट, चित्र : एमिली, हिंदी : विदूषक

एक छोटी लड़की थी,
वो अपनी माँ ने साथ रहती थी.
वे लोग बहुत गरीब थे.
अक्सर उनके पास खाने के
पैसे तक नहीं होते थे.

एक दिन माँ ने कहा,
“बेटा, आज खाने को कुछ नहीं है.
सिर्फ एक बिस्कुट बचा है.
इसे धीरे-धीरे खाना.”

फिर वो लड़की बाहर खेलने गई.
वहां उसे एक बूढ़ा आदमी मिला.
“बेटी, क्या तुम मुझे कुछ खाने
को दे सकती हो?”
उस आदमी ने लड़की से पूछा.

“हाँ,” लड़की ने कहा.
फिर उसने अपना बिस्कुट
उस बूढ़े को दे दिया.

“तुम्हारा बहुत धन्यवाद,”
उस बूढ़े आदमी के कहा.
“बेटी, तुम मेरी तरफ से
यह भेंट स्वीकार करो.”

“यह एक जादुई भगोना है.
जब तुम्हें भूख लगे और खाने
का मन करे तब कहना,
“छोटे भगोने, पकाओ!”
और जब तुम्हारा पेट
खाते-खाते भर जाए तब कहना,
“छोटे भगोने, रुको!”

लड़की उस भगोने को लेकर घर दौड़ी.

उसने कहा, “छोटे भगोने, पकाओ!”
फिर वो भगोना दलिए से भर गया.

उस छोटी लड़की ने दो कटोरे
भर के दलिया खाया.
माँ ने भी दो कटोरे दलिया खाया.
दोनों का पेट पूरी तरह भर गया.
फिर दोनों बहुत खुश हुए.

फिर छोटी लड़की ने कहा,
“छोटे भगोने, रुको!”
फिर भगोने ने दलिया बनाना
बंद कर दिया.

एक दिन छोटी लड़की
बाहर खेलने के लिए गई थी.
तब उसकी माँ को भूख लगी.
“मुझे दलिए के लिए अपनी बेटी को
बुलाने की ज़रुरत नहीं है,”
माँ ने कहा. “दलिया बनाने के लिए
क्या करना है वो मुझे पता है.”

उस औरत ने भगोने की
ओर देखा और कहा,
“पकाओ, छोटे भगोने!”

पर कुछ भी नहीं हुआ.

फिर उसने कहा, “छोटे भगोने, पकाओ!”
फिर भगोने में दलिया बनने लगा.

फिर माँ ने दलिया खाया.
जब वो खा रही थी,
तब भगोने में और दलिया बन रहा था.

“बस करो, छोटे भगोने!”
माँ ने कहा.

पर भगोने में दलिया बनता ही गया.

“भगोने, रुको!”
माँ ने कहा.

पर भगोना भरता ही गया.

कुछ देर में दलिया भगोने से
बाहर गिरने लगा.
“रुको, छोटे भगोने!”
माँ ने दुबारा कहा.

कुछ देर में दलिया भगोने से
निकलकर मेज़ पर गिरने लगा.
वो मेज़ से फर्श पर गिरने लगा.
“रुको, भगोने!”

“हे भगवान!
सही शब्द क्या हैं?
मैं भगोने से क्या कहूं?”
माँ ने पूछा.

फिर बहुत तेज़ी से दलिया
निकलने लगा.
वो फर्श से दीवार पर चढ़ने लगा.....
दलिया, दरवाज़े के बाहर फैलने
लगा.....

....फिर दलिया सड़क पर बहने लगा!

"नहीं, नहीं, भगोने!"
माँ ने कहा.

पर भगोने से दलिया निकलना
बंद नहीं हुआ.

फिर उस छोटी लड़की को
एक दलिए की नदी
अपनी ओर आती हुई दिखाई दी.

क्या हुआ होगा?
लड़की उस बात को
तुरंत समझ गई.

वो चिल्लाई, “छोटे भगोने, रुको!”

भगोने के उसकी बात सुनी और तुरन्त रुक गया.

फिर मोहल्ले के सब लोग अपने-अपने कटोरे-चम्मच लेकर आए.
सबने पेट भरकर दलिया खाया.
फिर वे अपने-अपने घर वापिस लौटे.

उसके बाद वो छोटी लड़की और उसकी माँ कभी भूखे नहीं रहे.